मिशन 'क्लीन एग्जाम': हिमाचल शिक्षा बोर्ड को अपने शिक्षकों पर पूरा भरोसा

निशा/देवभूमि मिरर

धर्मशाला: हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आगामी परीक्षाओं को लेकर बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने प्रदेश के शिक्षक समुदाय पर अपना अटूट विश्वास जताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षाओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने की पूरी जिम्मेदारी केवल कागजी नियमों पर नहीं, बल्कि शिक्षकों की कर्तव्यनिष्ठा पर टिकी है। बोर्ड अध्यक्ष ने शिक्षकों को परीक्षा प्रणाली का 'विश्वसनीय संरक्षक' बताते हुए उनकी भूमिका को सर्वोपरि करार दिया।

नकल और अनियमितता पर कड़ा प्रहार

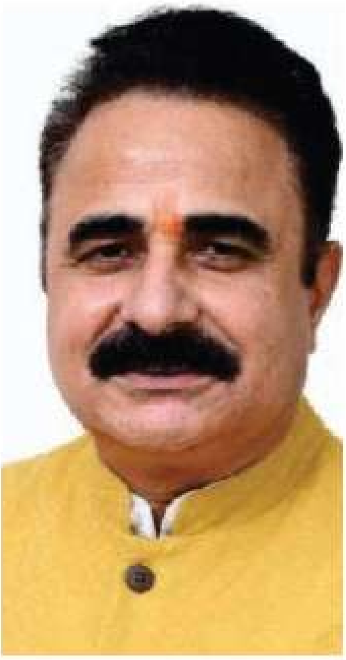

डॉ. शर्मा ने सख्त लहजे में कहा कि परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों या नकल को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के शिक्षक बोर्ड के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षा पूरी गरिमा और अनुशासन के साथ संपन्न हो। बोर्ड का मानना है कि शिक्षकों की पैनी नजर और सतर्कता ही परीक्षा व्यवस्था की पवित्रता को सुरक्षित रख सकती है।

शिक्षण के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का पाठ

बोर्ड अध्यक्ष के अनुसार, शिक्षक न केवल नियमों का पालन करवाएंगे, बल्कि विद्यार्थियों को भी नैतिक मूल्यों के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित करेंगे। इससे न केवल छात्रों में आत्म-अनुशासन की भावना विकसित होगी, बल्कि समाज का परीक्षा प्रणाली पर भरोसा और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षकों के सहयोग से ही एक स्वच्छ, निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली का सपना साकार हो सकता है।

मजबूत होगी बोर्ड की साख

डॉ. शर्मा ने अंत में दोहराया कि शिक्षकों की सकारात्मक भूमिका से न केवल परीक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि इससे हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की साख भी नई ऊंचाइयों को छुएगी। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे अपनी पूरी निष्ठा के साथ इस जिम्मेदारी का निर्वहन करें ताकि प्रदेश में शिक्षा का स्तर और परीक्षा की गुणवत्ता मिसाल बन सके।

डिजिटल अखबार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज़
26 फरवरी, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com
पहली नज़र
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए डिजिटल न्यूज़ पेपर पहली नजर के साथ

मिशन 'क्लीन एग्जाम' : हिमाचल शिक्षा बोर्ड को अपने शिक्षकों पर पूरा भरोसा

बोले अध्यक्ष-'गुरु ही हैं परीक्षा की शुचिता के असली रक्षक'

नकल पर जीरो टॉलरेंस : डॉ. राजेश शर्मा ने शिक्षकों की ईमानदारी और अनुशासन को बताया बोर्ड की सबसे बड़ी ताकत

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आगामी परीक्षाओं को लेकर बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने प्रदेश के शिक्षक समुदाय पर अपना अटूट विश्वास जताया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षाओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने की पूरी जिम्मेदारी केवल कागजी नियमों पर नहीं, बल्कि शिक्षकों की कर्तव्यनिष्ठा पर टिकी है। बोर्ड अध्यक्ष ने शिक्षकों को परीक्षा प्रणाली का 'विश्वसनीय संरक्षक' बताते हुए उनकी भूमिका को सर्वोपरि करार दिया।

नकल और अनियमितता पर कड़ा प्रहार

डॉ. शर्मा ने सख्त लहजे में कहा कि परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों या नकल को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के शिक्षक बोर्ड के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षा पूरी गरिमा और अनुशासन के साथ संपन्न हो। बोर्ड का मानना है कि शिक्षकों की पैनी नजर और सतर्कता ही परीक्षा व्यवस्था की पवित्रता को सुरक्षित रख सकती है।

शिक्षण के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का पाठ

बोर्ड अध्यक्ष के अनुसार, शिक्षक न केवल नियमों का पालन करवाएंगे, बल्कि विद्यार्थियों को भी नैतिक मूल्यों के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित करेंगे। इससे न केवल छात्रों में आत्म-अनुशासन की भावना विकसित होगी, बल्कि समाज का परीक्षा प्रणाली पर भरोसा और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षकों के सहयोग से ही एक स्वच्छ, निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली का सपना साकार हो सकता है।

मजबूत होगी बोर्ड की साख

डॉ. शर्मा ने अंत में दोहराया कि शिक्षकों की सकारात्मक भूमिका से न केवल परीक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि इससे हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की साख भी नई ऊंचाइयों को छुएगी। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे अपनी पूरी निष्ठा के साथ इस जिम्मेदारी का निर्वहन करें, ताकि प्रदेश में शिक्षा का स्तर और परीक्षा की गुणवत्ता मिसाल बन सके।

Dainik Jagran 27-02-2026

नकल पर जीरो टालरेंस, शिक्षकों की ईमानदारी व अनुशासन बोर्ड की ताकत

- बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने शिक्षकों को परीक्षा प्रणाली का विश्वसनीय संरक्षक बताया
- शिक्षकों का पूरी निष्ठा के साथ जिम्मेदारी का निर्वहन करने का आह्वान किया

डा. राजेश शर्मा • जागरण आर्काइव

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं पर बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने प्रदेश के शिक्षकों पर अटूट विश्वास जताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षाओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने की पूरी जिम्मेदारी केवल कागजी नियमों पर नहीं, बल्कि शिक्षकों की कर्तव्यनिष्ठा पर टिकी है। उन्होंने शिक्षकों को परीक्षा प्रणाली का विश्वसनीय संरक्षक बताते हुए उनकी भूमिका को सर्वोपरि करार दिया। उन्होंने कहा कि नकल पर जीरो टालरेंस, शिक्षकों की ईमानदारी व अनुशासन बोर्ड की ताकत है।

उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों में अनुचित साधन व नकल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के शिक्षक बोर्ड के दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षा पूरी गरिमा और अनुशासन के साथ संपन्न हो। कहा कि शिक्षकों की पैनी नजर और सतर्कता ही परीक्षा व्यवस्था को सुरक्षित रख सकती है। शिक्षक न केवल नियमों का पालन करवाएंगे, बल्कि विद्यार्थियों को भी नैतिक मूल्यों के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित करेंगे। इससे न केवल विद्यार्थियों में अनुशासन की भावना विकसित होगी, बल्कि समाज का परीक्षा प्रणाली पर भरोसा और मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों के सहयोग से ही निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली का सपना साकार हो सकता है। शिक्षकों की सकारात्मक भूमिका से न केवल परीक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि इससे शिक्षा बोर्ड की साख भी नई ऊंचाइयों को छुएगी। उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा के साथ जिम्मेदारी का निर्वहन करें ताकि प्रदेश में शिक्षा का स्तर और परीक्षा की गुणवत्ता मिसाल बन सके।

The Sunny Times

'मिशन 'क्लीन एग्जाम': हिमाचल शिक्षा बोर्ड को अपने शिक्षकों पर पूरा भरोसा

नकल पर जीरो टॉलरेंस: डॉ. राजेश शर्मा ने शिक्षकों की ईमानदारी और अनुशासन को बताया बोर्ड की सबसे बड़ी ताकत

सन्नी महाजन

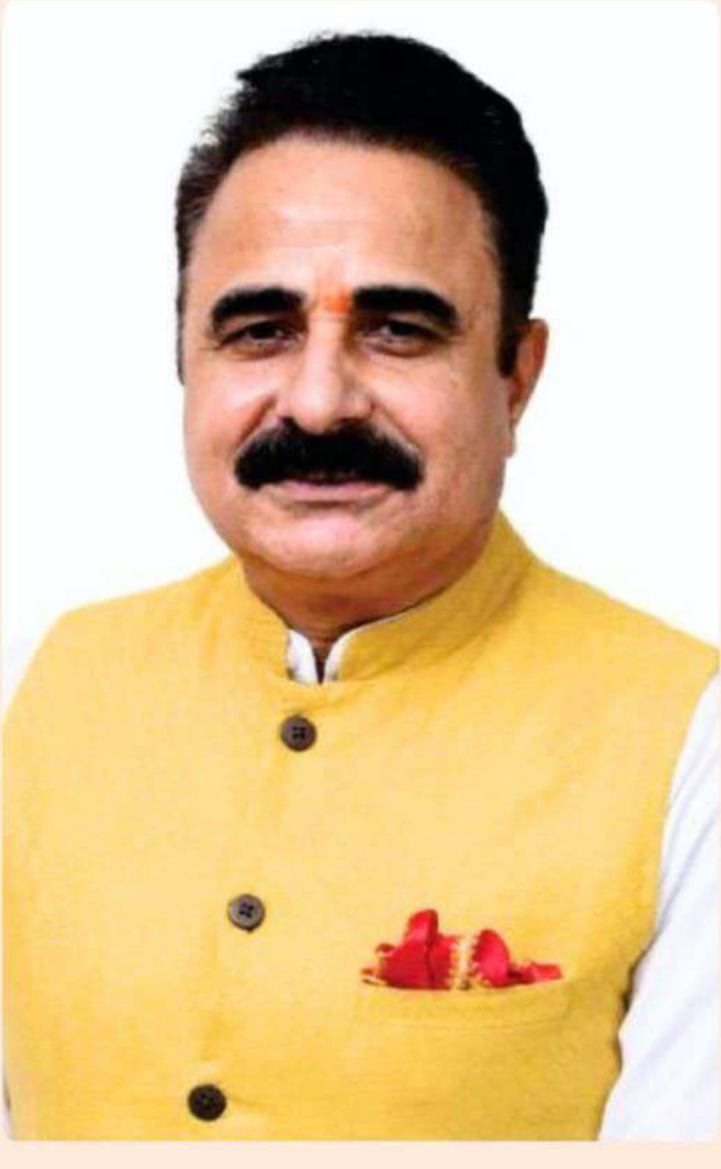

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आगामी परीक्षाओं को लेकर बोर्ड अध्यक्ष **डॉ. राजेश शर्मा** ने प्रदेश के शिक्षक समुदाय पर अपना अटूट विश्वास जताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षाओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने की पूरी जिम्मेदारी केवल कागजी नियमों पर नहीं, बल्कि शिक्षकों की कर्तव्यनिष्ठा पर टिकी है। बोर्ड अध्यक्ष ने शिक्षकों को परीक्षा प्रणाली का 'विश्वसनीय संरक्षक' बताते हुए उनकी भूमिका को सर्वोपरि करार दिया।

नकल और अनियमितता पर कड़ा प्रहार

डॉ. शर्मा ने सख्त लहजे में कहा कि परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों या नकल को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के शिक्षक बोर्ड के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षा पूरी गरिमा और अनुशासन के साथ संपन्न हो। बोर्ड का मानना है कि शिक्षकों की पैनी नजर और सतर्कता ही परीक्षा व्यवस्था की पवित्रता को सुरक्षित रख सकती है।

शिक्षण के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का पाठ

बोर्ड अध्यक्ष के अनुसार, शिक्षक न केवल नियमों का पालन करवाएंगे, बल्कि विद्यार्थियों को भी नैतिक मूल्यों के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित करेंगे। इससे न केवल छात्रों में आत्म-अनुशासन की भावना विकसित होगी, बल्कि समाज का परीक्षा प्रणाली पर भरोसा और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षकों के सहयोग से ही एक स्वच्छ, निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली का सपना साकार हो सकता है।

मजबूत होगी बोर्ड की साख

डॉ. शर्मा ने अंत में दोहराया कि शिक्षकों की सकारात्मक भूमिका से न केवल परीक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि इससे हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की साख भी नई ऊंचाइयों को छुएगी। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे अपनी पूरी निष्ठा के साथ इस जिम्मेदारी का निर्वहन करें ताकि प्रदेश में शिक्षा का स्तर और परीक्षा की गुणवत्ता मिसाल बन सके।

Mission 'Clean Exam': Himachal Education Board Trusts Teachers

Strong Attack on Cheating and Irregularities

SANJAY AGGARWAL FEB 26 |

Regarding the upcoming Himachal Pradesh School Education Board examinations, Board Chairman Dr. Rajesh Sharma expressed his unwavering faith in the state's teaching community. He clarified that the entire responsibility for maintaining fairness and transparency in examinations rests not merely on paper rules, but on the dedication of teachers. Calling teachers the "trusted guardians" of the examination system, the Board Chairman emphasized their paramount role.Dr. Sharma sternly stated that any form of unfair means or cheating will not be tolerated at examination centers. He expressed confidence that the state's teachers will strictly follow the Board's guidelines and ensure that examinations are conducted with complete dignity and discipline. The Board believes that only the keen eye and vigilance of teachers can safeguard the sanctity of the examination system.

Board's credibility will be strengthened

Dr. Sharma concluded by reiterating that the positive role of teachers will not only strengthen the examination system but will also elevate the credibility of the Himachal Pradesh School Education Board to new heights. He urged teachers to discharge this responsibility with full dedication so that the level of education and the quality of examinations in the state become exemplary.

शिक्षा बोर्ड को मिशन क्लीन एग्जाम के लिए शिक्षकों पर पूरा भरोसा : डॉ. राजेश

अनंत ज्ञान

कहा- शिक्षकों की ईमानदारी और अनुशासन बोर्ड की सबसे बड़ी ताकत

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आगामी परीक्षाओं को लेकर बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने प्रदेश के शिक्षक समुदाय पर अपना अटूट विश्वास जताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षाओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने की पूरी जिम्मेदारी केवल कागजी नियमों पर नहीं, बल्कि शिक्षकों की कर्तव्यनिष्ठा पर टिकी है। बोर्ड अध्यक्ष ने शिक्षकों को परीक्षा प्रणाली का विश्वसनीय संरक्षक बताते हुए उनकी भूमिका को सर्वोपरि करार दिया। डॉ. शर्मा ने सख्त लहजे में कहा कि परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों या नकल को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के शिक्षक बोर्ड के दिशा-निर्देशों का अक्षरश: पालन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षा पूरी गरिमा और अनुशासन के साथ संपन्न हो। बोर्ड का मानना है कि शिक्षकों की पैनी नजर और सतर्कता ही परीक्षा व्यवस्था की पवित्रता को सुरक्षित रख सकती है। बोर्ड अध्यक्ष के अनुसार, शिक्षक न केवल नियमों का पालन करवाएंगे, बल्कि विद्यार्थियों को भी नैतिक मूल्यों के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित करेंगे। इससे न केवल छात्रों में आत्म-अनुशासन की भावना विकसित होगी, बल्कि समाज का परीक्षा प्रणाली पर भरोसा और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षकों के सहयोग से ही एक स्वच्छ, निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली का सपना साकार हो सकता है।

मजबूत होगी बोर्ड की साख: डॉ. शर्मा ने दोहराया कि शिक्षकों की सकारात्मक भूमिका से न केवल परीक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि इससे हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की साख भी नई ऊंचाइयों को छुएगी। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे अपनी पूरी निष्ठा के साथ इस जिम्मेदारी का निर्वहन करें ताकि प्रदेश में शिक्षा का स्तर और परीक्षा की गुणवत्ता मिसाल बन सके।

Himachal Dastak
27-02-2026

अध्यक्ष को शिक्षकों पर अटूट विश्वास

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आगामी परीक्षाओं को लेकर बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने प्रदेश के शिक्षक समुदाय पर अपना अटूट विश्वास जताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षाओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने की पूरी जिम्मेदारी केवल कागजी नियमों पर नहीं, बल्कि शिक्षकों की कर्त्तव्यनिष्ठा पर टिकी है। बोर्ड अध्यक्ष ने शिक्षकों को परीक्षा प्रणाली का विश्वसनीय संरक्षक बताते हुए उनकी भूमिका को सर्वोपरि करार दिया। डॉ. शर्मा ने सख्त लहजे में कहा कि परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों या नकल को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के शिक्षक बोर्ड के दिशा-निर्देशों का अक्षरश: पालन करेंगे।

Amar Ujala 27-02-2026

शिक्षक परीक्षा प्रणाली के विश्वसनीय संरक्षक : राजेश

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आगामी परीक्षाओं को लेकर बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने प्रदेश के शिक्षक समुदाय पर अपना अटूट विश्वास जताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षाओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने की पूरी जिम्मेदारी केवल कागजी नियमों पर नहीं, बल्कि शिक्षकों की कर्तव्यनिष्ठा पर टिकी है। बोर्ड अध्यक्ष ने शिक्षकों को परीक्षा प्रणाली का विश्वसनीय संरक्षक बताते हुए उनकी भूमिका को सर्वोपरि करार दिया। डॉ. शर्मा ने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों या नकल को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बोर्ड के दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षा पूरी गरिमा से हो। ब्यूरो